7/7/21

B.A. - B.Sc.
Part I
Hindi Rachna
सूरदास के पद
की व्याख्या —

हिन्दी साहित्य
प्रश्नपत्र कोड
गोपाल

प्रेमलता के पद की व्याख्या —

[illegible]

प्रथम व्याख्या — प्रस्तुत पद सूरदास द्वारा रचित है। यह पद सूरदास के सूरसागर से लिया गया है। सूर के सूरसागर के प्रस्तुत पद होली पालना प्रसंग अर्थात् कृष्ण-लीला से सम्बन्धित लिया गया है।

प्रसंग — प्रस्तुत पद का प्रसंग यह है कि कृष्ण को माखन कृष्ण गोकुल की माता यशोदा देती है। लेकिन कृष्ण माता कि प्राप्त कृष्ण गोकुल नहीं मोहते हैं तो यहाँ गोपियाँ कृष्ण के पास में व्याकुल होती है।

भाव सार — प्रस्तुत पद में गोपियों की विरह दशा का मार्मिक चित्रण किया गया है। कृष्ण के वियोग में गोपियाँ काफी व्याकुल।

काव्यगत सुन्दरता — प्रस्तुत पंक्तियों में कृष्ण के वियोग में गोपियों की विरह दशा का चित्रण किया गया है। मार्मिक ढंग से किया गया है। कृष्ण प्रेम

कलाशक्ति —

7/4/21

WEDNESDAY

प्रसंग :- गोपियाँ कृष्ण से अपने घर लौट जाने के लिए कहती हैं।

गोपियाँ कृष्ण से कहती हैं कि कृष्ण के कुकर्मों को देखते हुए लगातार रात-दिन वास करना ठीक नहीं है। वह कहती हैं कि कृष्ण के कुकर्मों को देखते हुए लगातार रात-दिन वास करना ठीक नहीं है। अर्थात् गोपियाँ लगातार यही कहती हैं। कृष्ण के कुकर्मों से गोपियों की व्याकुलता स्पष्ट रूप से सभी स्थानों का पता चल जाता है।

गोपियों के ओठों का अंजन ओठों से ठहर नहीं रहा है। जहाँ-तहाँ गोपियों ने काजल लगाया है तथा उनके काजल ओठों को छूकर नीचे गिर जाता है। जिसके फलस्वरूप गाल और हाथ पर अंजन के रंग से रंग कर काला हो जाता है।

ओठों के कारण उनके अस्तित्व हमेशा मिटते रहते हैं तथा लगातार रोने के कारणों के कारण उनके हृदय के बीच में ओठों की लाली प्रदर्शित हो रही है। गोपियों की पूरी काया ओठों से भीग गई है। कृष्ण के वियोग में गोपियों को कृष्ण की एक पल के लिए भी आलोचना करना अच्छा नहीं लगता है।

सूरदास कहते हैं कि गोपियाँ कहती हैं कि हे कृष्ण यह परीक्षा का समय है यह संकटपूर्ण समय है। इस संकटपूर्ण समय में हे कृष्ण तुम्हें गोकुल को नहीं भिजवाना चाहिए। तुम्हें गोकुल को क्यों भिजवा दिया यह बात समझ में नहीं आती है। अतः गोपियाँ कहती हैं कि हे कृष्ण तुम मथुरा से गोकुल वापिस आकर मेरी पीड़ा-व्यथा को दूर करो।

प्रकाशन :-